तमिलनाडु के कुड्डालोर में H5N1 बर्ड फ्लू: 35,000 से ज्यादा पक्षियों की मौत, 1 किमी दायरे में कुल्लिंग



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

14 नवंबर 2026: तमिलनाडु के **कुड्डालोर जिले** के कुरिंजीपाड़ी तालुक के कट्टियनकुप्पम गाँव में एक पोल्ट्री फार्म के नमूनों में **अत्यंत घातक एवियन इन्फ्लूएंजा (H5N1)** की पुष्टि हुई है। NIHSAD भोपाल ने 5 नवंबर को भेजे गए मुर्गी-शव के नमूने की जाँच 13 नवंबर को पूरी की; प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र में निरोध-अभियान (containment) शुरू कर दिया है।

प्रकोप: संख्याएँ और समय-रेखा

पहला मामला: 30 अक्टूबर को तियागवल्ली पंचायत के तमनमपट्टी गाँव के एक फार्म में अचानक मृत्यु-दर दर्ज हुई।

क्षति: 13 नवंबर तक प्रभावित बेल्ट में **35,647 पक्षियों की मृत्यु**; कुल **15 फार्म प्रभावित**, जिनमें 10 के सभी पक्षी मर चुके हैं; अब तक **1,550 पक्षियों को मानवीय तरीके से कुल्लिंग** किया गया; नौ रैपिड रिस्पॉन्स टीमें तैनात।

जाँच-शृंखला: नमूने पहले PDDL नामक्कल, फिर PDDL ईरोड और चेन्नई की केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रयोगशाला (CUL, माधवरम) को भेजे गए; अंतिम पुष्टि NIHSAD भोपाल ने की।

निरोध-योजना: क्या हो रहा है

राष्ट्रीय कार्य-योजना के तहत: जिले को 'कम्पार्टमेंट' में बाँटा गया; केंद्र-फार्म और **1 किलोमीटर की परिधि** के सभी पक्षियों की कुल्लिंग (भारत सरकार की 2021 दिशा-निर्देश); गहरे गड्ढों में दफन, ब्लीचिंग पाउडर और VIRKON-S से कीटाणुशोधन; पक्षियों की आवाजाही पर प्रतिबंध; प्रभावित क्षेत्र में **तीन माह पुनः स्टॉकिंग (restocking) पर रोक**।

H5N1: पृष्ठभूमि

विशेषता: H5N1 'हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा' (HPAI) का उपप्रकार - पक्षियों में अत्यंत संक्रामक और घातक; मनुष्य में जूनोटिक (जानवर से मानव) संक्रमण की क्षमता के कारण सार्वजनिक-स्वास्थ्य निगरानी में रहता है।

NIHSAD: भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीजेज - ICAR का संस्थान, जो विदेशी/उच्च-जोखिम पशु-रोगों का राष्ट्रीय रेफरल-निदान केंद्र है।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रश्न H5N1 की परिभाषा, पुष्टि-संस्थान (NIHSAD भोपाल, ICAR), स्थान (कुड्डालोर, तमिलनाडु), कुल्लिंग-प्रोटोकॉल (1 किमी परिधि) और जूनोसिस की अवधारणा पर बन सकते हैं।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. कुड्डालोर (तमिलनाडु) में एवियन इन्फ्लूएंजा प्रकोप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वायरस की पुष्टि NIHSAD भोपाल ने की

2. NIHSAD, ICAR का संस्थान है

3. पुष्टि H9N2 उपप्रकार की हुई है

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई नहीं

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (b)**
>
> कथन 1 और 2 सही हैं। कथन 3 गलत है - पुष्टि H5N1 (हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा) की हुई है।

प्रश्न 2. भारत सरकार की 2021 दिशा-निर्देशों के तहत एवियन इन्फ्लूएंजा के केंद्र-फार्म से कितनी परिधि में पक्षियों की कुल्लिंग की जाती है?

(a) 500 मीटर
(b) 1 किलोमीटर
(c) 5 किलोमीटर
(d) 10 किलोमीटर

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (b)**
>
> केंद्र-फार्म और 1 किलोमीटर की परिधि के भीतर 100% पक्षियों की कुल्लिंग और गहरे गड्ढों में निस्तारण किया जाता है; इसके आगे निगरानी-जोन होता है।

PCSMANTRA.COM

मेन्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: बार-बार के एवियन इन्फ्लूएंजा प्रकोप 'वन हेल्थ' (One Health) दृष्टिकोण की आवश्यकता रेखांकित करते हैं। भारत की पशु-रोग निगरानी और प्रतिक्रिया-तंत्र का मूल्यांकन कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: कुड्डालोर में H5N1 की पुष्टि और कुल्लिंग-अभियान - संदर्भ।

मुख्य भाग में: मौजूदा तंत्र – NIHSAD रेफरल-निदान, राष्ट्रीय कार्य-योजना, कम्पार्टमेंटलाइजेशन, रैपिड रिस्पॉन्स टीमें; कमजोरियाँ – पहचान में देरी (30 अक्टूबर से 13 नवंबर), क्षति-क्षतिपूर्ति, अनौपचारिक पोल्ट्री-क्षेत्र की निगरानी; वन हेल्थ – मानव-पशु-पर्यावरण स्वास्थ्य का एकीकरण, जूनोटिक जोखिम।

निष्कर्ष में: शीघ्र-पहचान, क्षतिपूर्ति और वन हेल्थ संस्थागतकरण से ही प्रकोप-लागत घटेगी।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: कुड्डालोर (तमिलनाडु) के पोल्ट्री फार्मों में H5N1 बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है; 35,000 से अधिक पक्षी मर चुके हैं और 1 किमी परिधि में कुल्लिंग जारी है।

प्रश्न: H5N1 क्या है?

हाईली पैथोजेनिक एवियन इन्फ्लूएंजा का उपप्रकार - पक्षियों में अत्यंत संक्रामक; जानवर से मनुष्य में संक्रमण (जूनोसिस) की क्षमता के कारण सार्वजनिक-स्वास्थ्य दृष्टि से महत्वपूर्ण।

प्रश्न: NIHSAD क्या करता है?

भोपाल स्थित ICAR-संस्थान, जो उच्च-जोखिम पशु-रोगों का राष्ट्रीय रेफरल-निदान केंद्र है; कुड्डालोर के नमूनों की अंतिम पुष्टि इसी ने की।

प्रश्न: किसानों के लिए क्या प्रतिबंध हैं?

प्रभावित क्षेत्र में तीन माह तक पोल्ट्री की पुनः स्टॉकिंग पर रोक, पक्षियों की आवाजाही पर प्रतिबंध और अनियमित पक्षी-मृत्यु की तुरंत सूचना देने की अपील।

स्रोत

- The Hindu: Avian influenza confirmed in Cuddalore; over 1,500 chickens culled, 14 नवंबर 2026
- New Indian Express: H5N1 bird flu confirmed in Cuddalore, 14 नवंबर 2026